



सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
Savitribai Phule Pune University, Pune

स्नातक वर्ष - 2 (तृतीय एवं चतुर्थ आयन)
हिंदी विषय का पुनर्गठित पाठ्यक्रम जून 2025 से
[Level 5.0 UG Degree, Year-II]
(w.e.f. academic year 2025-26)

अहिंदी भाषी (महाराष्ट्र राज्य के अलावा) और अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 [NEP] के अंतर्गत द्वितीय वर्ष के लिए AEC -
हिंदी (प्रात्यक्षिक) पाठ्यक्रम

AEC [Ability Enhancement Course] - Hindi (Practical)
Only for Non-Hindi (Escape Maharashtra) & International
Students

S.Y.B.A./S.Y.B.Sc. (Regular)/ S.Y.B.Sc. (Computer Science)/
S.Y.B.Sc. (Computer Applications)/ S.Y.B.Com., S.Y.B.Com.BM/
S.Y.B.Com.CA/ S.Y.B.Com.IB/ S.Y.B.B.A. (CA)

द्वितीय वर्ष (हिंदी)/तृतीय अयन AEC course 2 credit Practical

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
AEC-202-HIN-(P)	AEC	सुबोध हिंदी	प्रात्यक्षिक	P	2

लक्ष्य (Aim) :

यह पाठ्यक्रम नवशिक्षार्थियों को हिंदी भाषा की मूलगत जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसका प्रमुख लक्ष्य छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना तथा उन्हें देवनागरी लिपि को सही रूप में पढ़ने, लिखने और समझने योग्य बनाना है। पाठ्यक्रम के माध्यम से उन्हें हिंदी वर्णमाला, उच्चारण, शब्द-रचना और संख्याओं के प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा। इस पाठ्यक्रम में हिंदी व्याकरण के प्रारंभिक तत्वों जैसे संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, काल और कारक का सरल परिचय कराया जाएगा जिससे वे भाषा की संरचना को समझ सकें। साथ ही चित्र आधारित शब्द लेखन, रिक्त स्थान पूर्ति और छोटे वाक्य निर्माण जैसे अभ्यासों के माध्यम से भाषा अधिगम को व्यावहारिक बनाया जाएगा। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने की चारों भाषा-कौशलों का विकास करने में सहायक होगा। इसके अध्ययन से छात्र दैनिक जीवन में सरल हिंदी का प्रयोग करने में सक्षम होंगे। अतः यह पाठ्यक्रम आगे हिंदी भाषा के अध्ययन के लिए एक सुदृढ़ आधार तैयार करेगा तथा उनमें भाषा प्रयोग का आत्मविश्वास विकसित करेगा।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र हिंदी भाषा की मूल प्रकृति एवं स्वरूप को समझ सकेंगे।
2. देवनागरी लिपि के अक्षरों की पहचान कर सकेंगे।
3. हिंदी वर्णमाला का शुद्ध उच्चारण कर सकेंगे।
4. चित्रों के आधार पर सरल हिंदी शब्द लिख सकेंगे।
5. हिंदी में 1 से 100 तक गिनती पढ़ और लिख सकेंगे।
6. सरल हिंदी वाक्यों की संरचना समझ सकेंगे।
7. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का प्रयोग पहचान सकेंगे।
8. लिंग, वचन, काल और कारक के सामान्य रूपों को समझ सकेंगे।
9. रिक्त स्थान पूर्ति द्वारा सही शब्दों का प्रयोग कर सकेंगे।
10. दैनिक जीवन में छोटे और सरल हिंदी वाक्य बना सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3	2	2	2	1	1			1	2	2	1	2	1	2	3	2	1		2
CO-2	3	2	3	2	2	1			2	2	2	1	2	1	2	3	2	2		2
CO-3	3	3	3	3	2	2	1		2	3	2	1	2	1	2	3	3	2	1	3
CO-4	2	3	2	2	2	1			2	3	2	2	2	1	2	3	2	2	1	2
CO-5	3	2	2	2	2	2			2	2	2	2	3	1	2	3	2	1	-	2
CO-6	3	2	2	3	2	1	1		2	3	2	1	2	1	2	3	2	2	-	3
CO-7	2	2	2	2	2	2			2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	1	2
CO-8	3	3	2	2	3	2			2	2	3	1	2	1	2	3	2	2	-	3
CO-9	2	2	2	2	1	1			3	2	2	3	3	2	3	2	1	1	2	2
CO-10	3	3	2	2	2	2			2	3	3	2	2	2	3	3	3	2	1	3
Wgt Avg	2.7	2.4	2.2	2.2	1.9	1.5	1		2.0	2.4	2.2	1.6	2.3	1.3	2.2	2.8	2.1	1.6	1.2	2.4

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान, अनुकरण विधि, प्रश्नोत्तर, संवाद, प्रत्यक्ष कार्य, समूह शिक्षण, श्रव्य-दृश्य विधि।

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तसिकाएँ
इकाई - 1	हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि 1. हिंदी भाषा का सामान्य परिचय 2. हिंदी वर्णमाला उच्चारण अभ्यास 3. चित्र के आधार शब्द लेखन 4. देवनागरी अंक (1 से 100 तक) उच्चारण और लेखन 5. देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय	30
इकाई - 2	हिंदी व्याकरण 1. वाक्य संरचना 2. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया 3. लिंग, वचन, काल, कारक 4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करना 5. छोटे वाक्य तैयार करना	30

अंक विभाजन:

आंतरिक मूल्यांकन - 30% (15 अंक)

1) 15 अंकों के लिए अध्ययन यात्रा / पुस्तक परीक्षण / विषय विशेषज्ञ का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी/मौखिक परीक्षा/ लिखित परीक्षा / क्षेत्रीय भेंट / ग्रंथालय कार्य / समूह चर्चा / प्रस्तुति / शोध परियोजना आदि।

सत्रांत परीक्षा - 70% (35 अंक)

प्रात्यक्षिक सत्रांत परीक्षा।

1. प्रश्न 1 और 2 इकाई I और II पर 10 + 10 = 20 अंको के लिए संबंधित कौशलाधारित कार्य छात्रों से प्रत्यक्ष करवाना होगा।

2. प्रश्न 3 - इकाई I और II पर संबंधित विषय पर लिखकर प्रस्तुति करनी अपेक्षित है। इसके लिए 15 अंक होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :

1. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, डॉ. हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

2. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी भाषा शिक्षण, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. व्यावहारिक हिंदी, डॉ. रमेशचंद्र मेहरोत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक हिंदी भाषा, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी भाषा और साहित्य, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. संचार माध्यम और हिंदी, डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी लेखन कौशल, डॉ. रामप्रकाश सक्सेना लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
9. प्रयोगात्मक हिंदी, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
10. हिंदी भाषा का व्यवहारिक अध्ययन, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भारतीय ज्ञानपीठ , नई दिल्ली
11. विशुद्ध हिंदी, डॉ. सदानंद भोसले, विकास प्रकाशन, कानपुर

द्वितीय वर्ष (हिंदी) / चतुर्थ अयन AEC course 2 credit Practical

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
AEC-202-HIN-(P)	AEC	सुबोध हिंदी	प्रात्यक्षिक	P	2

लक्ष्य (Aim) :

इस पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य नवाशिक्षार्थी छात्र में हिंदी भाषा के श्रवण, वाचन, बोलना और लेखन कौशल का संतुलित विकास करना है। वर्तमान समय में भाषा केवल व्याकरणिक ज्ञान का विषय नहीं है बल्कि व्यावहारिक संप्रेषण का माध्यम भी है। इसलिए इस पाठ्यक्रम में हिंदी समाचार, पॉडकास्ट, साक्षात्कार, काव्यपाठ, गीत तथा लघु फिल्मों के माध्यम से विद्यार्थियों की श्रवण क्षमता को विकसित करने पर विशेष बल दिया गया है। प्रश्नोत्तर अभ्यास, दैनिक संवाद तथा समूह चर्चा के माध्यम से छात्र हिंदी में आत्मविश्वासपूर्वक बोलना सीखेंगे। पठन एवं लेखन कौशल के अंतर्गत लघु गद्यांश, कहानी, कविता तथा समाचारपत्रों के अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों की भाषा समझ और शब्द भंडार में वृद्धि की जाएगी। आत्मपरिचय, ईमेल तथा अनुच्छेद लेखन जैसे अभ्यास छात्रों को व्यावहारिक हिंदी लेखन में दक्ष बनाएंगे। यह पाठ्यक्रम उन्हें केवल भाषा सीखने तक सीमित नहीं रखता बल्कि हिंदी के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक संदर्भों में प्रभावी संवाद स्थापित करने की क्षमता भी प्रदान करता है। अतः यह पाठ्यक्रम छात्रों को हिंदी भाषा के व्यावहारिक प्रयोग में अभिव्यक्ति के लिए सक्षम बनाने का प्रयास करता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. नवाशिक्षार्थी छात्र हिंदी भाषा को ध्यानपूर्वक सुनकर उसका सामान्य आशय समझ सकेंगे।
2. समाचार, पॉडकास्ट और संवादों से आवश्यक जानकारी ग्रहण कर सकेंगे।
3. दैनिक जीवन की परिस्थितियों में सरल हिंदी में संवाद कर सकेंगे।
4. प्रश्नोत्तर के माध्यम से मौखिक अभिव्यक्ति विकसित कर सकेंगे।
5. लघु फिल्म या दृश्य सामग्री पर अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे।
6. सरल गद्यांश, कविता और समाचार पढ़कर उनका अर्थ समझ सकेंगे।
7. हिंदी शब्दावली और वाक्य संरचना का उचित प्रयोग कर सकेंगे।
8. हिंदी में संक्षिप्त आत्मपरिचय लिख सकेंगे।
9. ईमेल तथा लघु अनुच्छेद लिखने में सक्षम होंगे।
10. संप्रेषण कौशल विकसित कर सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	2	3	2	2	1	1			2	3	2	1	2	1	2	3	2	1	-	3
CO-2	2	3	3	2	2	1			2	3	2	1	2	1	2	3	2	2	-	3
CO-3	2	3	2	3	2	1	1		2	3	2	1	2	1	2	3	3	2	1	3
CO-4	2	3	2	2	2	1			2	3	2	2	2	1	2	3	2	2	1	3
CO-5	2	3	2	2	2	2			2	3	2	2	3	1	2	3	2	1	-	3
CO-6	3	2	2	2	2	1	1		2	2	2	1	2	1	2	3	2	2	-	2
CO-7	3	2	2	2	2	1			2	2	2	2	3	2	2	3	2	1	1	2
CO-8	2	3	2	2	2	1			2	3	2	1	2	1	2	3	2	2	-	3
CO-9	2	3	2	2	1	1			3	3	2	3	3	2	3	3	2	1	2	3
CO-10	2	3	2	2	2	1			2	3	3	2	2	2	3	3	3	2	1	3
Wgt Avg	2.2	2.9	2.2	2.3	1.9	1.2	1		2.1	2.9	2.1	1.6	2.3	1.3	2.2	3	2.2	1.6	1.1	2.9

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान, श्रवण-अभ्यास, दृश्य-श्रव्य, संवाद, प्रत्येक्ष कार्य, प्रश्नोत्तर, समूह चर्चा, पठन, लेखन-अभ्यास, सहभागिता, गतिविधि आधारित शिक्षण विधि।

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तसिकाएँ
इकाई – 1	भाषाई कौशल 1. हिंदी समाचार, पॉडकास्ट, साक्षात्कार, काव्यपाठ, गीत सुनना आदि 2. लघु फिल्म देखना 3. प्रश्नोत्तर अभ्यास 4. दैनिक संवाद- यात्रा, बाजार, शिक्षा संस्थान आदि 5. फिल्म पर आधारित समूह चर्चा	30
इकाई – 2	पठन एवं लेखन कौशल 1. लघु गद्यांश / कहानी / कविता पठन 2. समाचारपत्र पठन 3. आत्मपरिचय लेखन 4. ईमेल लेखन 5. लघु अनुच्छेद लेखन	30

अंक विभाजन:

आंतरिक मूल्यांकन - 30% (15 अंक)

1) 15 अंकों के लिए अध्ययन यात्रा / पुस्तक परीक्षण / विषय विशेषज्ञ का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी/मौखिक परीक्षा/ लिखित परीक्षा / क्षेत्रीय भेंट / ग्रंथालय कार्य / समूह चर्चा / प्रस्तुति / शोध परियोजना आदि ।

सत्रांत परीक्षा - 70% (35 अंक)

प्रात्यक्षिक सत्रांत परीक्षा ।

1. प्रश्न 1 और 2 इकाई I और II पर 10 + 10 = 20 अंको के लिए संबंधित कौशलाधारित कार्य छात्रों से प्रत्यक्ष करवाना होगा ।

2. प्रश्न 3 - इकाई I और II पर संबंधित विषय पर लिखकर प्रस्तुति करनी अपेक्षित है । इसके लिए 15 अंक होंगे ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, डॉ. हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
2. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी भाषा शिक्षण, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. व्यावहारिक हिंदी, डॉ. रमेशचंद्र मेहरोत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक हिंदी भाषा, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी भाषा और साहित्य, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. संचार माध्यम और हिंदी, डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी लेखन कौशल, डॉ. रामप्रकाश सक्सेना लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
9. प्रयोगात्मक हिंदी, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
10. हिंदी भाषा का व्यवहारिक अध्ययन, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
11. विशुद्ध हिंदी, डॉ. सदानंद भोसले, विकास प्रकाशन, कानपुर
